



UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

OCTOBER, 2025

Monthly Newsletter of UPSMA

VOL: IV, ISSUE: 313

शुभ दीपावली

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

NEWSMAKERS

अक्टूबर 2025 के लिए 24 लाख मीट्रिक टन मासिक चीनी कोटा जारी

नई दिल्ली : खाद्य मंत्रालय ने अक्टूबर 2025 के लिए 24 लाख मीट्रिक टन (LMT) का मासिक चीनी कोटा आवंटित किया, जो अक्टूबर 2024 के लिए आवंटित कोटे से कम है। मंत्रालय द्वारा 24 सितंबर को इसकी घोषणा की गई। अक्टूबर 2024 में, सरकार ने घरेलू बिक्री के लिए 25.5 लाख मीट्रिक टन का मासिक चीनी कोटा आवंटित किया था। सितंबर 2025 के लिए, आवंटित चीनी कोटा 23.5 लाख मीट्रिक टन था।

2023-24 सीज़न (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक) के लिए कुल कोटा 291.50 लाख मीट्रिक टन था, जबकि 2024-25 सीज़न (अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 तक) के लिए चीनी कोटा 275.50 लाख मीट्रिक टन है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले महीनों में दिवाली जैसे त्यौहार होंगे, इसलिए घरेलू बाजार में मांग बढ़ेगी। घरेलू कीमतों में लगभग 40 से 50 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी के साथ बाजार में तेजी बनी रहने की उम्मीद है।

Source: Chinimandi, 24th Sept, 2025

सितंबर में FAO खाद्य मूल्य सूचकांक में गिरावट, चीनी और डेयरी उत्पादों की कीमतों में कमी के कारण

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा शुक्रवार को जारी नई रिपोर्ट के अनुसार, विश्व खाद्य वस्तुओं की कीमतों के बेंचमार्क में सितंबर में थोड़ी गिरावट आई, जिसका कारण चीनी और डेयरी मूल्य सूचकांक में गिरावट थी।



एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक, जो विश्व स्तर पर कारोबार की जाने वाली खाद्य वस्तुओं के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में मासिक बदलावों पर नज़र रखता है, सितंबर में औसतन 128.8 अंक रहा, जबकि अगस्त का संशोधित स्तर 129.7 अंक था। सितंबर का यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, एफएओ चीनी मूल्य सूचकांक सितंबर में औसतन 99.4 अंक रहा, जो अगस्त से 4.2 अंक (4.1 प्रतिशत) और एक साल पहले की तुलना में 26.9 अंक (21.3 प्रतिशत) कम है, जो मार्च 2021 (96.2 अंक) के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया। यह गिरावट ब्राज़ील में अपेक्षा से अधिक चीनी उत्पादन के कारण हुई, जो बड़े पैमाने पर पेराई और प्रमुख दक्षिणी उत्पादक क्षेत्रों में चीनी उत्पादन के लिए गन्ने के बढ़ते उपयोग के कारण हुआ। भारत और थाईलैंड में पर्याप्त मानसूनी बारिश और विस्तारित बुवाई के बाद अनुकूल फसल संभावनाओं से कीमतों पर अतिरिक्त गिरावट का दबाव रहा।

Source: Chinimandi, 3rd Oct., 2025

ESY 2025-26 : OMCs को 1,050 करोड़ लीटर एथेनॉल की आवश्यकता के विरुद्ध 1,776 करोड़ लीटर के प्रस्ताव प्राप्त हुए

नई दिल्ली : हाल ही में, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 के चक्र 1 के लिए लगभग 1050 करोड़ लीटर विकृत निर्जल एथेनॉल की आपूर्ति के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। देश भर के निर्माताओं द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की संख्या 1050 करोड़ लीटर की आवश्यक मात्रा से अधिक रही और 1776 करोड़



Continued on the next page ...



UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

OCTOBER, 2025

Monthly Newsletter of UPSMA

VOL: IV, ISSUE: 313

लीटर से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। कुल 1776.49 करोड़ लीटर के प्रस्तावों में से, 471.63 करोड़ लीटर गन्ना आधारित फीडस्टॉक्स से और 1304.86 करोड़ लीटर अनाज आधारित फीडस्टॉक्स से प्रस्तावित हैं।

फीडस्टॉक के अनुसार ऑफर...

Feedstock	Offers (Crore Litres)
Sugarcane Juice (SCJ)	299.48
B-Heavy Molasses (BHM)	158.70
C-Heavy Molasses (CHM)	13.45
Sugarcane Based Total	471.63
FCI Rice	396.60
Damaged Food Grains (DFG)	76.37
Maize	831.89
Grain Based Total	1304.86
Grand Total	1776.49

सरकार पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिश्रित (EBP) कार्यक्रम को सक्रिय रूप से लागू कर रही है, जो तेल विपणन कंपनियों को एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचने में सक्षम बनाता है। एथेनॉल निर्माताओं की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है, खासकर जब सरकार ने हाल ही में एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं।

हम वर्तमान में तेल विपणन कंपनियों से आवंटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्राप्त होने के बाद, चीनी मंडी द्वारा आगे की जानकारी प्रदान की जाएगी।

अनाज आधारित इथेनॉल उत्पादकों को राहत देते हुए, सरकार ने एफसीआई चावल आधारित एथेनॉल की कीमत बढ़ा दी है। एफसीआई से प्राप्त अधिशेष चावल से उत्पादित एथेनॉल की कीमत ईएसवाई 2025-26 के लिए 60,320 रुपये प्रति किलोलीटर (केएल) तय की गई है, जबकि ईएसवाई 2024-25 के लिए यह 58,500 रुपये प्रति किलोलीटर थी।

चीनी आधारित फीडस्टॉक से उत्पादित एथेनॉल की कीमत अपरिवर्तित बनी हुई है। हालांकि, उद्योग आगामी चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि का हवाला देते हुए सरकार से कीमत बढ़ाने का आग्रह कर रहा है।

Source: Sugar Times, Sept, 2025

बीसीएमएल अयोध्या के राम मंदिर में पर्यावरण के अनुकूल पीएलए-आधारित प्रसाद बॉक्स और पानी की बोतलें करेगी वितरित

यह पहल बीसीएमएल की अपने पीएलए ब्रांड, बलरामपुर बायोयुग के माध्यम से



सतत नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का एक हिस्सा व्यापक है, और चल रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के साथ निकटता से जुड़ी हुई है - जो स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है। बीसीएमएल ने दक्षिणी और पश्चिमी भारत के एमएसएमई कन्वर्टर्स और कंपाउंडर्स के साथ मिलकर 2.5 लाख से ज़्यादा प्रसाद बॉक्स और 1 लाख पानी की बोतलें बनाईं।

इस पहल के लिए बनाए गए प्रसाद बॉक्स और पानी की बोतलें पूरी तरह से जैव-आधारित और आईएस 17088 कंपोस्टेबल हैं, जिसमें पानी की बोतल के ढक्कन भी शामिल हैं, जो सुविधा सुनिश्चित करते हुए कूड़े को रोकते हैं और एक स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देते हैं।

बीसीएमएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री विवेक सरावगी ने कहा, "बीसीएमएल में, हम स्थिरता को एक विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी के रूप में देखते हैं। बीसीएमएल की कार्यकारी निदेशक, अवंतिका सरावगी ने कहा, "स्थायित्व और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व हमेशा से भारतीय सभ्यता के मूल में रहे हैं- हम इस पहल के साथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं। स्थिरता केवल एक लक्ष्य नहीं है; यह एक आंदोलन है जिसे अनुभव किया जाना चाहिए।"

Source: Sugar Times, Sept, 2025

गन्ना वैज्ञानिक उत्तर प्रदेश भर में फसलों की बीमारियों और कीटों का सर्वेक्षण करेंगे

पीलीभीत : हाल ही में आई बाढ़ और जलभराव के कारण हुई बीमारियों और कीटों के प्रकोप की खबरों के बाद, उत्तर प्रदेश के 45 गन्ना उत्पादक जिलों में गन्ने के खेतों में बीमारियों और कीटों के संक्रमण की वैज्ञानिक पहचान के लिए एक संयुक्त सर्वेक्षण शुरू किया गया है। 'टाइम्स ऑफ़ इंडिया' में प्रकाशित खबर के मुताबिक, गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. के आदेश पर, यह सर्वेक्षण भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) और उत्तर प्रदेश गन्ना अनुसंधान परिषद (यूपीसीएसआर) के वैज्ञानिकों के साथ-साथ सभी नौ गन्ना संभागों के जिला गन्ना अधिकारियों और

Continued on the next page ...



UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

OCTOBER, 2025

Monthly Newsletter of UPSMA

VOL: IV, ISSUE: 313

उपायुक्तों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

यूपीसीएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव पाठक ने बताया कि, प्रत्येक संभाग में आईआईएसआर और यूपीसीएसआर दोनों से दो-दो वैज्ञानिकों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, हम जलभराव वाले ऐसे खेतों में ड्रोन के ज़रिए रसायनों के छिड़काव का प्रबंधन करेंगे जहाँ पहुँच संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि, चीनी मिलों और गन्ना विकास समितियों के माध्यम से किसानों को 25% से 50% की सब्सिडी पर रसायन और कीटनाशक उपलब्ध कराए जाएँगे।

गन्ना आयुक्त ने कहा कि, गन्ना वैज्ञानिक किसानों को रसायनों के आवश्यक छिड़काव के बारे में मार्गदर्शन देंगे, जबकि राज्य गन्ना विभाग उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर एक सलाह तैयार करेगा। गन्ना आयुक्त ने कहा, गन्ना विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को छिड़काव के लिए आवश्यक रसायनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के अलावा, ड्रोन और छिड़काव प्रणाली तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि, राज्य गन्ना विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, उत्तर प्रदेश में लगभग 30 लाख हेक्टेयर में गन्ना उगाया जाता है, जिसकी औसत उत्पादकता 2024-25 गन्ना वर्ष में 830.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई है। राज्य में 50 लाख से ज़्यादा किसान परिवार गन्ने की खेती से जुड़े हैं।

Source: Chinimandi, 22nd Sept, 2025

बाराबंकी में चीनी मिल ने उत्पादकता बढ़ाने पर दिया प्रशिक्षण

बाराबंकी : बनीकोडर क्षेत्र में बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की हैदरगढ़ इकाई ने गन्ना किसान गोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में लगभग 50 किसान उपस्थित रहे। भास्कर में प्रकाशित खबर के अनुसार, चीनी मिल्स के हेड इंचार्ज जगदीश यादव ने किसानों को गन्ने की खेती से संबंधित जानकारी दी। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य गन्ने की उत्पादकता बढ़ाना, कीटनाशक रोगों से बचाव के तरीके बताना और शरदकालीन गन्ने की बुवाई की विधि पर विस्तृत चर्चा करना था। कार्यक्रम में मौजूद गन्ना किसानों के साथ-साथ नए किसानों को भी गन्ने की खेती से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि, गन्ना एक लाभदायक फसल है, लेकिन इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। गन्ने की खेती से किसानों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। शरदकालीन गन्ने की बुवाई से कई फायदे होते हैं, जिसमें गन्ने की फसल के साथ 22 प्रकार की सह-फसली लेना संभव है। पिछले पेरई सत्र में हैदरगढ़ चीनी मिल्स ने 45 लाख क्विंटल गन्ने की पेरई की थी। यह मिल छह भागों में बंटी हुई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिल्स से आए हेड इंचार्ज जगदीश यादव, जोनल इंचार्ज डॉ. मनोज शुक्ला, सुपरवाइजर रोहित यादव और अरविंद सिंह ने किसानों के साथ गन्ने की बुवाई और अन्य संबंधित विषयों पर चर्चा की।

Source: Chinimandi, 07th Oct, 2025

GOVT TO CREATE SPECIAL ICAR TEAM FOR SUGARCANE RESEARCH: SHIVRAJ SINGH CHOUHAN

Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan has announced the formation of a dedicated team within the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) to focus specifically on sugarcane-related research and policymaking.

Speaking at a national seminar on the sugarcane economy, Chouhan said the new team will tackle real-world issues faced by both farmers and the sugar industry. The event was organized by Rural Voice, the National Federation of Cooperative Sugar Factories, and ICAR.

Chouhan pointed out that while sugarcane variety 238 is known for its high sugar content, it's also highly susceptible to red rot disease. He emphasized the need for developing disease-resistant varieties and warned against the dangers of growing a single crop (monocropping), which can harm soil health. He recommended exploring intercropping with pulses and oilseeds to improve sustainability.

The Minister also called for:

- Greater use of machines to reduce labour costs
- Efficient irrigation methods like "per drop, more crop"
- Higher sugar recovery rates
- A shift toward natural farming and reduced fertilizer use
- More value-added products from sugarcane beyond ethanol and molasses

Chouhan acknowledged the ongoing issue of delayed payments to farmers and urged reforms in the sugar supply chain. While sugar mills face financial struggles, farmers often bear the brunt, he said. He also highlighted the shortage of farm labour and pushed for more training and mechanization in harvesting.

"ICAR must create a separate team dedicated to sugarcane research. This research should solve real problems. If it doesn't help farmers, it's pointless," he stated.

ICAR Director General Dr. M.L. Jat laid out four research priorities: setting clear agendas, addressing challenges in farming and industry, and providing informed policy recommendations. He stressed improving fertilizer efficiency, expanding micro-irrigation, and diversifying crops.



UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

OCTOBER, 2025

Monthly Newsletter of UPSMA

VOL: IV, ISSUE: 313

Dr. Devendra Kumar Yadav, Deputy Director General of Crop Science, echoed concerns about variety 238 and stressed the importance of testing new varieties over three-year cycles and analyzing yield gaps.

The seminar wrapped up with ICAR officials assuring that future sugarcane research would be farmer-focused and based on the feedback gathered.

Source: Sugar Times, 01st Oct, 2025

USING AI AND MACHINE LEARNING IN SUGARCANE CULTIVATION, EXPERTS EXPLAIN HOW PRODUCTION WILL INCREASE

Sugarcane Cultivation Using AI: In this context, UPCSAR Director VK Shukla said that in recent years, the government has been trying to ensure timely payment to farmers and increase the capacity of sugar mills. So far, 38 sugar mills have increased their capacity to ensure timely crushing.

Artificial Intelligence (AI) technology is poised to revolutionize sugarcane cultivation in the country. On Monday, the last day of the UP International Trade Show, the Sugarcane Department organized a workshop on the topic "Sustainable Development is Our Effort." The workshop discussed in detail how to increase sugarcane production, address farmers' problems, and integrate the sugarcane industry with new technologies. Several experts, including UPCSAR Director VK Shukla, Senior Scientific Officer Ajay Kumar Tiwari, Mawana Sugar MD RK Gangwar, and Joint Cane Commissioner RC Pathak, participated and shared their views.

In this regard, UPCSAR Director VK Shukla said that in recent years, the government has been striving to ensure timely payment to farmers and increase the capacity of sugar mills. So far, 38 sugar mills have increased their capacity to ensure timely crushing. He added that in the future, the focus will be on using remote sensing, AI, and machine learning in sugarcane cultivation. This will not only make field monitoring easier but also allow for timely treatment of crop diseases.

Shukla said that in the future, sugar mills will not only be centers for sugar production, but will also become hubs for many other related products. Additionally, Senior Scientific Officer Ajay Kumar Tiwari appealed to farmers to refrain from indiscriminately using fertilizers in their fields. He discussed

the red rot disease affecting sugarcane crops in detail, stating that a thorough effort will be made to control this disease within the next five years.

Meanwhile, Joint Cane Commissioner R.C. Pathak said that the Co-238 variety of sugarcane has suffered significant damage due to red rot disease. It was once the most popular variety, but due to the disease and reduced production capacity, farmers are now avoiding planting it.

The experts present at the workshop agreed that the use of new technologies will give a new direction to sustainable development of both sugarcane cultivation and sugar industry.

Source: Kisantak, 29th Sept., 2025

Knowledge Box



In China, some highway medians are planted with sugarcane - absorbing noise, cleaning air, and harvested every three months.

UPSMA Newsletter titled 'Varta' the Dialogue is providing information on sugar, sugar industry and sugar byproducts. We request you to share your thoughts and experience with us through write-ups, success stories, updates, photographs etc. We publish your creative in the next edition of this newsletter. You are requested to send your entries to be published in UPSMA newsletter through mail at upsma@upsma.org. The newsletter will be uploaded on UPSMA website.

अस्वीकरण: यहाँ दी गई जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा या अन्य स्रोतों से ली गई है, जिन्हें विश्वसनीय माना जाता है और इस पर इस तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। इस समाचार में दी गई जानकारी में किसी भी अनजाने त्रुटि से किसी भी व्यक्ति को होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए 'वार्ता टीम' किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगी। इस दस्तावेज़ में दी गई जानकारी इस समाचार की तारीख तक है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य के परिणाम या घटनाएँ इस जानकारी के अनुरूप होंगी।